[This question paper contains 8 printed pages.]

(7)

Your Roll No. 2023

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 3404 E

Unique Paper Code : 62131201

Name of the Paper : Sanskrit Prose (DSC-2)

Name of the Course : **B.A. (Programme) Sanskrit (DSC-2)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का अनुवाद कीजिए : (3×5=15)

Translate any **three** of the following :

(क) तदेवंप्रायेतिकुटिल-कष्ट-चेष्टा-सहस्रदारुणे राज्यतन्त्रे, अस्मिन्महामोहान्धकारिणि च यौवने, कुमार! तथा प्रयतेथा: यथा नोपहस्यसे जनैः, न निन्द्यसे साधुभिः, न धिक्क्रियसे गुरुभि: नोपालभ्यसे सुहृद्भिः, न शोच्यसे विद्वद्भि: ।

(ख) न परिचयं रक्षति। नाभिजनमीक्षते। न रूपमालोकयते। न कुलक्रममनुवर्तते। न शीलं पश्यति। न बैदग्ध्यं गणयति। न श्रुतमाकर्णयति। न धर्ममनुरुध्यते। न त्यागमाद्रियते। न विशेषज्ञतां विचारयति। नाचारं पालयति। न सत्यमनुबुध्यते। न लक्षणं प्रमाणीकरोति। गन्धर्वनगरलेखा इव पश्यत एवं नश्यति।

(ग) अहो! चिररात्राय सुप्तोऽहम्, स्वप्नजालपरतन्त्रेणैव महान्पुण्यमयः समयोऽतिवाहितः, सन्ध्योपासनसमयोऽयमस्मद्गुरुचरणानाम्, तत्सपदि अवचिनोमि कुसुमानि" इति चिन्तयन्कदलीदलमेकमाकुंच्य, तृणशकलैः सन्धाय, पुटकं विधाय, पुष्पावचयं कर्त्तुमारेभे।

(घ) निरीक्ष्यतां कदाचिदस्मिन्नेव भारतवर्षे यायजूकै राजसूयादियज्ञा व्ययाजिषत, कदाचिदिहैव वर्षवाताऽऽतप-हिमसहानि तपांसि अतापिषत। सम्प्रति तु म्लेच्छैर्गावो हन्यन्ते, वेदा विदीर्यन्ते, स्मृतयः सम्मृद्यन्ते, मन्दिराणि मन्दुरीक्रियन्ते, सत्यः पात्यन्ते, सन्तश्च सन्ताप्यन्ते।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(2×7=14)

Explain with reference to context any **two** of the following :

(क) गर्भेश्वरत्वमभिनवयौवनत्वमप्रतिमरूपत्वममानुषशक्तित्वं चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा ।

सर्वाविनयानामेकैकमप्येषामायतनम्, किमुत समवायः। यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः।

(ख) सर्वथा तमभिनन्दन्ति, तमालपन्ति, तं पार्श्वे कुर्वन्ति, तं संवर्द्धयन्ति, तेन सह सुखमवतिष्ठन्ते, तस्मै ददति, तं मित्रतामुपनयन्ति, तस्य वचनं शृण्वन्ति, तत्र वर्षन्ति, तं बहु मन्यन्ते, तमाप्ततामापादयन्ति, योऽहर्निशमनवरतमुपरचितांजलिरधिदैवतमिव विगतान्यकर्त्तव्यः स्तौति, यो वा माहात्म्य-मुद्भावयति ।

(ग) तदाकर्ण्य कोपज्वालाज्वलित इव योगी प्रोवाच-विक्रमराज्येऽपि कथमेष पातकमयो दुराचाराणामुपद्रव? तत स उवाच-महात्मन्। क्वाधुना विक्रमराज्यम्। वीरविक्रमस्य तु भारतभुवं विरहस्य गतस्य वर्षाणां सप्तदशशतकानि व्यतीतानि। क्वाधुना मन्दिरे-मन्दिरे जय-जयध्वनिः? क्व सम्प्रति तीर्थे-तीर्थे घण्टानादः? क्वाद्यापि मठे-मठे वेदघोषाः ?

(घ) अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः । एष भगवान्मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचरचक्रस्य, कुण्डलमाखण्डल-दिशः, दीपको ब्रह्माण्डभाण्डस्य, प्रेयान्पुण्डरीकपटलस्य, शोकविमोकः कोकलोकस्य, अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्य ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए : (8×2=16)

Answer any **two** of the following :

(क) "बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्" को सिद्ध कीजिए ।

Prove the "बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्".

अथवा / Or

शुकनासोपदेश के अनुसार लक्ष्मी के स्वरूप का वर्णन कीजिए ।

Describe the Nature of 'लक्ष्मी' according to 'शुकनासोपदेश'.

(ख) शिवराजविजय में वर्णित 'भारत की दशा' का उल्लेख कीजिए।

Elucidate the 'Condition of India' as described in शिवराजविजय.

अथवा / Or

अम्बिकादत्त व्यास की रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

Evaluate the creative writings of अम्बिकादत्त व्यास.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों का परिचय दीजिए : (1×5=5)

Write grammatical notes on any **five** of the following :

रक्षति, प्रदोषसमये, उपदेशस्य, वैदग्ध्यम्, यूनाम्, आलोकयतु, चिन्तयन्, सन्धाय, कर्त्तुम्, पात्यन्ते

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :- (2×4=8)

Write notes on any **two** of the following :

(i) मृगतृष्णिका

(ii) कौस्तुभमणि

(iii) अपरिणामोपशमः

(iv) वसुजननी

(v) ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्

(vi) चतुरङ्गिलगणी

6. "दण्डिनः पदलालित्यम्" इस कथन का मूल्यांकन कीजिए। (1×8=8)

Evaluate the statement of "दण्डिनः पदलालित्यम्".

अथवा / Or

गद्य की उत्पत्ति एवं विकास का वर्णन कीजिए ।

Describe the origin and development of prose.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (3×3=9)

Write notes on any **three** of the following :

दशकुमारचरितम्, विष्णुशर्मा, सुबन्धु, बासवदत्ता

[This question paper contains 8 printed pages.]

(8) **Your Roll No.** 2023

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 3447 E

Unique Paper Code : 62131201

Name of the Paper : Sanskrit Prose (DSC-2)

Name of the Course : **B.A. (Programme) Sanskrit (DSC-2)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का अनुवाद कीजिए : (3×5=15)

Translate any **three** of the following :

(क) तदेवंप्रायेतिकुटिल–कष्ट–चेष्टा–सहस्रदारुणे राज्यतन्त्रे, अस्मिन्महामोहान्धकारिणि च यौवने, कुमार! तथा प्रयतेथाः यथा नोपहस्यसे जनैः, न निन्द्यसे साधुभिः, न धिक्क्रियसे गुरुभिः नोपालभ्यसे सुहृद्भिः, न शोच्यसे विद्वद्भिः ।

(ख) इयं हि सुभटखड्गमण्डलोत्पलवनविभ्रमभ्रमरी लक्ष्मीः क्षीरसागरात्पारिजातपलल्लवेभ्यो रागम्, इन्दुशकलादेकान्तवक्रताम्, उच्चैःश्रवसश्चञ्चलताम्, कालकूटान्मोहनशक्तिं, मदिराया मदं, कौस्तुभमणेर्नैष्ठुर्यम् इत्येतानि सहवासपरिचियवशात् विरहविनोदचिह्नानि गृहीत्वैवोद्गता न ह्येवंविधमपरिचितमिह जगति किंचिदस्ति यथेयमनार्या ।

(ग) अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः। एष भगवान्मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचरचक्रस्य, कुण्डल-माखण्डलदिशः, दीपको ब्रह्माण्डभाण्डस्य, प्रेयान्पुण्डरीकपटलस्य, शोकविमोकः कोकलोकस्य, अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्य।

(घ) तत स उवाच–महात्मन्। क्वाधुना विक्रमराज्यम्। वीरविक्रमस्य तु भारतभुवं विरहय्य गतस्य वर्षाणां सप्तदशशतकानि व्यतीतानि। क्वाधुना मन्दिरे–मन्दिरे जय–जयध्वनिः? क्व सम्प्रति तीर्थे–तीर्थे घण्टानादः? क्वाद्यापि मठे–मठे वेदघोषाः?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(2×7=14)

Explain with reference to context any **two** of the following :

(क) गर्भेश्वरत्वमभिनवयौवनत्वमप्रतिमरूपत्वममानुषशक्तित्वं चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा। सर्वाविनयानामेकैकमप्येषामायतनम्, किमुत समवायः। यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः।

(क) सततममूलमन्त्रशम्यः विषमो विषयविषास्वादमोहः। नित्यमस्नानशौचबाध्यः बलवान् रागमलावलेपः। अजस्रमक्षपावसानप्रबोधा घोरा च राज्यसुख-सन्निपातनिद्रा भवति, इत्यतः विस्तरेणाभिधीयसे।

(ख) अद्य हि वेदाः विच्छिद्य वीथीषु विक्षिप्यन्ते। धर्मशास्त्राण्युद्धूय धूमध्वजेषु ध्मायन्ते, पुराणानि पिष्ट्वा पानीयेषु पात्यन्ते, भाष्याणि भ्रंशयित्वा भ्राष्ट्रेषु भर्ज्यन्ते, क्वचिन्मन्दिराणि भिद्यन्ते, क्वचित्तुलसीवनानि छिद्यन्ते, क्वचिद्दारा अपह्रियन्ते, क्वचिद्धनानि लुण्ठ्यन्ते, क्वचिदार्तनादा, क्वचिद्रुधिरधारा, क्वचिदग्निदाहः, गृहनिपातः इत्येव श्रूयतेऽवलोक्यते च परितः।

(ख) सर्वथा तमभिनन्दन्ति, तमालपन्ति, तं पार्श्वे कुर्वन्ति, तं संवर्द्धयन्ति, तेन सह सुखमवतिष्ठन्ते, तस्मै ददति, तं मित्रतामुपनयन्ति, तस्य

वचंन शृण्वन्ति, तत्र वर्षन्ति, तं बहु मन्यन्ते, तमाप्ततामापादयन्ति, योऽहर्निशमनवरतमुपरचितांजलिरधिदैवतमिव विगतान्यकर्त्तव्यः स्तौति, यो वा माहात्म्य-मुद्भावयति ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए : (8×2=16)

Answer any **two** of the following :

(क) "बाणोच्छिष्टंजगत्सर्वम्" को सिद्ध कीजिए ।

Prove the "बाणोच्छिष्टंजगत्सर्वम्".

अथवा / Or

शुकनासोपदेश के अनुसार लक्ष्मी के स्वरूप का वर्णन कीजिए ।

Describe the Nature of 'लक्ष्मी' according to शुकनासोपदेश.

(ख) शिवराजविजय में वर्णित 'भारत की दशा' का उल्लेख कीजिए।

Elucidate the 'Condition of India' as described in शिवराजविजय.

अथवा / Or

अम्बिकादत्त व्यास की रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

Evaluate the creative writings of अम्बिकादत्त व्यास.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों का परिचय दीजिए : (1×5=5)

Write grammatical notes on any **five** of the following :

वैदग्ध्यम्, यूनाम्, वृद्धत्वम् दीप्यते, कलुषीकरोति, उद्वमति, पूर्वस्याम् भाष्याणि, लुण्ठ्यन्ते, भिद्यन्ते

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए – (2×4=8)

Write notes on any **two** of the following :

(i) मृगतृष्णिका

(ii) कौस्तुभमणि

(iii) अपरिणामोपशमः

(iv) वसुजननी

(v) ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्

(vi) चतुरङ्गिणी

6. "दण्डिनः पदलालित्यम्" इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।

(1×8=8)

Evaluate the statement of "दण्डिनः पदलालित्यम्".

अथवा / Or

गद्य की उत्पत्ति एवं विकास का वर्णन कीजिए।

Describe the origin and development of prose.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (3×3=9)

Write the notes on any **three** of the following :

नारायण पण्डित, शिवराजविजय, दण्डी, वासवदत्ता